

जे.सी. बोस वज्ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने इंडियन ऑयल (आर एंड डी) के साथ कथिा समझौता

चर्चा में क्यों?

2 अक्टूबर, 2021 को हरयाणा में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दशा में अहम कदम उठाते हुए जे.सी. बोस वज्ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने इंडियन ऑयल (आर एंड डी) के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर कथिे हैं।

प्रमुख बढि

- इंडियन ऑयल (आर एंड डी) के सहयोग से विश्वविद्यालय युवा शोधकर्त्ताओं को वज्ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान के लथिे प्रोत्साहति करने हेतु **रसिर्च फेलोशपि स्कीम** शुरू करेगा।
- इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया की समझौता ज्ज्ञापन के अंतर्गत इंडियन ऑयल (आर एंड डी) ने 2.5 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान कथिा है। इंडियन ऑयल-सीएसआईआर-जे.सी. बोस यूनिवर्सिटी रसिर्च फेलोशपि स्कीम में पीएचडी स्कोलर्स को पाँच साल की अवधि के लथिे रसिर्च फेलोशपि प्रदान करेगी।
- यह समझौता देश में अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को पोषति करने की इंडियन ऑयल (आर एंड डी) की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे पहले समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलसचवि डॉ. सुनील कुमार गर्ग और इंडियन ऑयल (आर एंड डी) के कार्यकारी नदिशक (रासायनिक प्रौद्योगिकी) डॉ. जी.एस. कपूर ने हस्ताक्षर कथिे।